

मैं तेरा शुकर करूँ काहे फिकर करूँ भजन लिरिक्स



मैं तेरा शुकर करूँ,
मैं तेरा जिकर करूँ,
काहे फिकर करूँ,
आँखे नम हो जाए माँ जब,
बीते कल का ज़िकर करूँ,
अपना आज जो देखूँ मैया,
हर पल तेरा शुकर करूँ,
मैं तेरा जिकर करूँ,
काहे फिकर करूँ।bd।

बड़ी सुनी है मैया मैंने,
इस दुनिया की बातें,
श्रद्धा भाव से करता रहा,
माँ मैं तेरे जगराते,
भक्ति में शक्ति है अम्बे,
यही सोच के सबर करूँ,
अपना आज जो देखूँ मैया,
हर पल तेरा शुकर करूँ,
मैं तेरा जिकर करूँ,
काहे फिकर करूँ।bd।

सच्ची ज्योत में मैया मैंने,
दर्शन तेरे पाए,
जिसको आसरा तेरा दाती,
वो काहे घबराये,
तू ही तू दिखती है मैया,
मैं जहाँ पर नज़र करूँ,
अपना आज जो देखूँ मैया,
हर पल तेरा शुकर करूँ,
मैं तेरा जिकर करूँ,
काहे फिकर करूँ।bd।

माँ तेरे आँचल की शीतल,
छाया मैंने पायी,
सुख सागर की बरखा अम्बे,
तूने है बरसाई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



अच्छे वक्त की कदर करूँ,
अपना आज जो देखूँ मैया,
हर पल तेरा शुक़र करूँ,
मै तेरा जिकर करूँ,
काहे फिकर करूँ।bd।

मैं तेरा शुक़र करूँ,
मैं तेरा जिकर करूँ,
काहे फिकर करूँ,
आँखे नम हो जाएँ माँ जब,
बीते कल का ज़िकर करूँ,
अपना आज जो देखूँ मैया,
हर पल तेरा शुक़र करूँ,
मै तेरा जिकर करूँ,
काहे फिकर करूँ।bd।

स्वर – शीतल पांडेय जी।
